Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

FSC-26-I

प्रश्न-पत्र-I / PAPER-I
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

D

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं OMR उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **D**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/ marking responses in the OMR Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **D**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the OMR Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :

   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **16**

FSC-26-I

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

D

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

प्रश्नपत्रम् I

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV च V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् OMR उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील श्याम (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोग: अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **D** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् OMR उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भागः IV : भाषा I - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
   भागः V : भाषा II - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. **IV** भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य Part-IV** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **Language-I** चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

PART-IV

LANGUAGE-I

SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् (**प्र.सं. 91-120**) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **(Language-I)** चितम्।

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा नव प्रश्नानां (91 - 99) यथोचितं विकल्पं चित्वा उत्तराणि देयानि।

लौहपुरुषः सरदारवल्लभभाईपटेलः जन्मतः कृषकः आसीत्। अस्य जन्म 1875 तमे ईस्वीये वर्षे अक्तूबरमासस्य एकत्रिंशत् (31) तारिकायां गुर्जरप्रदेशे अभवत्। अस्य पिता 1857 वर्षस्य प्रथमस्वतन्त्रतायुद्धे सहभागी आसीत्। यद्यपि अयं महापुरुषः आङ्लदेशात् विधिपरीक्षायां प्रथमश्रेण्यां प्रथमं स्थानं लब्ध्वा अधिवक्ता जातः, तथापि सः स्वकीयं सम्पूर्णजीवनं भारतस्य स्वतन्त्रता-संग्रामाय अर्पितवान्। अयं बारदोली-कृषकाणाम् आन्दोलनस्य सफलं नेतृत्वम् अकरोत्। तेन कारणेन महात्मना गान्धिना "सरदार" इति उपाधिना सम्मानितः। गुर्जरप्रदेशे जलौघ-पीडितानां भूकम्पपीडितानां च एषः अहर्निशं सेवाम् अकरोत्।

अनेकवारं सः कारागारे पातितः। तस्य वृद्धा माता आङ्लाधिकारिभिः प्रताडिता। 1942 तमे वर्षे "भारतं त्यजत" इति आन्दोलने स अकथयत्-न केवलं भारतं त्यजत अपितु एशियामेव त्यजत इति वक्तव्यम्।

स्वतन्त्रभारतस्य स उपप्रधानमन्त्री अभवत्। भारतं तदा अनेकेषु लघुराज्येषु विभक्तम् आसीत्। एषः स्वनीतिचातुर्येण षट्शतस्वदेशीयराज्यानाम् अखण्डे भारते विलयम् अकरोत्।

लौहपुरुषः श्रीपटेलः अतीव अनुशासनप्रियः आसीत्। तस्य प्रत्येकं शब्दः आदेश इव मन्यते। भारतम् एव तस्य क्षेत्रं, समस्तभारतजनता एव तस्य परिवारः। भारतस्य वर्तमानं स्वरूपं तस्य एव सत्प्रयत्नानां परिणामः। अस्माकं दुर्भाग्यवशात् 1950 तमे वर्षे दिसम्बरमासस्य पञ्चदशतारिकायां अयं लोकमान्यः दिवं गतः। भारतं तस्य उपकारं कदापि न विस्मरिष्यति।

91. 1875 तमे ईस्वीय वर्षे कस्य जन्माभवत्?

(1) सरदारवल्लभभाईपटेलस्य (2) सरदारवल्लभभाईपटेलस्य पितुः

(3) बालगंगाधरतिलकस्य (4) राजाराममोहनरायस्य

92. बारदोली-कृषक-आन्दोलनस्य नेतृत्वं केन कृतम्?

(1) महात्मागान्धिना (2) बालगङ्गाधरतिलकेन

(3) सुभाषचन्द्रबोसेन (4) मदनमोहनमालवीयेन

93. 'वक्तव्यम्' पदस्य निर्वचनम् किं भवति?

(1) वक् + तव्यम् (2) वक् + व्यम् (3) वच् + तव्यम् (4) वद् + तव्ययम्

94. 'उपाधिना' इत्यस्मिन पदे का विभक्तिः किम् लिङ्गम् च वर्तते?

(1) तृतीया-एकवचनम्, स्त्रीलिङ्गे (2) तृतीया-एकवचनम्, पुल्लिंङ्गे

(3) चतुर्थी-बहुवचनम्, स्त्रीलिङ्गे (4) षष्ठी-बहुवचनम्, पुल्लिंङ्गे

95. पटेलः 'सरदार' इति उपाधिना केन सम्मानितः?

(1) महात्मागान्धिना (2) मदनमोहनमालवीयेन

(3) के.एम. मुन्शिना (4) आङ्गलसर्वकारेण

96. 1857 वर्षस्य स्वतन्त्रतायुद्धे कः भागं गृहीतवान्?

(1) सरदारवल्लभभाईपटेलः (2) सरदारवल्लभभाईपटेलस्य पिता

(3) महात्मागान्धी (4) पं. जवाहरलाल नेहरू

97. 'अहर्निशम्' पदं निम्नलिखितेषु कस्यां कोट्यां मन्यते ?

(1) विशेषणम् (2) क्रियाविशेषणम् (3) कर्मकारक: (4) अधिकरणम्

98. य: न्यायालये कस्य अपि अन्यस्य स्थाने तर्कं प्रस्तौति स क: कथ्यते ?

(1) तार्किक: (2) साक्षी (3) अधिवक्ता (4) प्रस्तोता

99. 'जलौघ' शब्द: गद्यांशे कस्मिन्नर्थे प्रयुक्त: ?

(1) समुद्रे (2) सरोवरे (3) नद्याम् (4) जलसमूहे

निम्नलिखितानि पद्यानि पठित्वा षट् प्रश्नानां (100 - 105) उत्तराणि यथोचितान् विकल्पान् चित्वा देयानि।

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन:।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।1।।
हस्तस्य भूषणं दानं सत्यं कण्ठस्य भूषणम्।
श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भूषणै: किं प्रयोजनम्।।2।।
पुस्तकस्था तु या विद्या परहस्तगतं धनम्।
कार्यकाले समुत्पन्ने न सा विद्या न तद्धनम्।।3।।
नमन्ति फलिनो वृक्षा: नमन्ति गुणिनो जना:।
शुष्कवृक्षाश्च मूर्खाश्च न नमन्ति कदाचन।।4।।
अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम्।
अधनस्य कुतो मित्रम् अमित्रस्य कुत: सुखम्।।5।।

100. वृद्धोपसेविन: किम् न वर्धते ?

(1) यश: (2) बलम् (3) धनम् (4) विद्या

101. हस्तस्य भूषणम् किम् अस्ति ?

(1) अलङ्कार: (2) स्वर्णम् (3) रजतम् (4) दानम्

102. 'उत्पन्न' इत्यस्य पदस्य निर्वचनम् क्रियताम्–

(1) उत् + पन् + न (2) उद् + पद् + क्त (3) उत् + पद् + न (4) उत् + पत् + क्त

103. 'फलिनो वृक्षा:' किं कुर्वन्ति ?

(1) शुष्यन्ति (2) प्राणिन: भोजनम् प्रददति
(3) ऊर्ध्वोन्मुखा: वर्धन्ते (4) नमन्ति

104. का विद्या कार्यकाले नोपयुज्यते ?

(1) वार्धक्ये गृहीता (2) देशकालानुसारं न उपयुक्ता
(3) परहस्तगता (4) पुस्तकस्था

105. 'गुणिन:' पदस्य पद्यस्यप्रयोगानुसारम् किं निर्वचनम् ?

(1) गुणिन् + द्वितीया–बहुवचनम् (2) गुणिन् + प्रथमा–एकवचनम्
(3) गुणिन् + षष्ठी–एकवचनम् (4) गुणिन् + पञ्चमी–एकवचनम्

106. **कथनम् (अ) :** छात्रस्य पत्राधानम् (Portfolio) छात्रस्य कार्यस्य अंशानाम् उद्देश्यपूर्णं संचयनम् अस्ति।
कारणम् (आ) : पत्राधानं छात्रान् स्वशक्तेः दुर्बलतायाः च मूल्यांकनं कर्तुं प्रोत्साहयति।
निम्नलिखितविकल्पेषु **समुचितं** उत्तरं दीयताम्।
(1) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्तः तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।
(2) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्तः, परं **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।
(3) **(अ)** सत्यम् अस्ति, परं **(आ)** असत्यम् अस्ति।
(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

107. अध्यापकरूपेण भवान् स्वकक्षायां छात्राणाम् अन्तःसम्पर्कं वर्धिष्यते ?
(a) छात्रान् भूयसः प्रश्नान् पृष्ट्वा।
(b) सहयोगिकार्यं, समूहकार्यं च आयोज्य तथा छात्राणां विचारान् आमन्त्र्य।
(c) तैः उच्चैः पाठनं कारयित्वा तथा व्यक्तिशः प्रतिक्रियां ज्ञात्वा येन व्यक्तिशः शिक्षाग्रहणं भवेत्।
(d) अन्तःसम्पर्काय प्रश्नान् प्रष्टुं संवादान् पठित्वा।
(1) (a), (b), (c) स्यानि सन्ति
(2) (b), (c), (d) स्यानि सन्ति
(3) (a), (b), (d) स्यानि सन्ति
(4) (a), (c), (d) स्यानि सन्ति

108. भाषाविकासस्य संज्ञानात्मकसिद्धांतः एतत् समर्थयति यत् –
(1) भाषा व्यक्तेः सहजातयोग्यता अस्ति।
(2) भाषा पुरस्कारदण्डयोः माध्यमेन शिक्ष्यते।
(3) समाजे अन्तःसम्पर्कमाध्यमेन शिक्ष्यते।
(4) भाषा बालकस्य भाषणात् पूर्वं तस्य विचारावबोधने अवलम्बिताऽस्ति।

109. छात्राणां शब्दावलीं वर्धयितुं, कश्चिद् अध्यापकः तां सामग्रीं प्रयुनक्ति यस्यां सा भाषा वर्तते या छात्राणां कृते सरलीकृता, तथा च प्रामाणिक-सामग्र्याम् आधारिता अस्ति। सामग्री अस्ति –
(1) समाचारपत्रम्
(2) अभिनयपत्राणि (Role Cards)
(3) द्विभाषीयाः शब्दकोशाः
(4) श्रेण्याः पाठकाः (Graded Readers)

110. पाठ्यपुस्तकेषु कथाः, कविताः, नाटकानि, लेखकानां अन्यप्रकारस्य लेखाः भवन्ति। अस्माभिः एतादृश्यः सामग्र्यः चेतव्याः यतः ___________.
(1) ताः प्रामाणिकाः सन्ति तथा प्राकृतिकभाषायां सन्ति।
(2) पाठ्यपुस्तकेषु प्रयोगस्य उद्देश्येन लिखिताः सन्ति।
(3) सुप्रसिद्धलेखकैः लिखिताः सन्ति।
(4) ताः सरलभाषायां सन्ति।

111. **कथनम् (अ) :** कक्षायां शिक्षण-अनुभवाः छात्राणां जीवनेन प्रसङ्गैश्च गहनतया सम्बन्धिता सन्ति।
कारणम् (आ) : शिक्षण-अनुभवाः छात्राणां पूर्व-अवबोधे आश्रिताः सन्ति।
निम्नलिखितविकल्पेभ्यः **समीचीनम्** उत्तरं दीयताम्।
(1) उभे **(अ)**, **(आ)** च सत्ये स्तः तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।
(2) उभे **(अ)** तथा **(आ)** सत्ये स्तः, परं **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।
(3) **(अ)** सत्यम् अस्ति, परं **(आ)** असत्यम् अस्ति।
(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

112. कश्चिद् अध्यापकः भाषाशिक्षणस्य काञ्चित् पक्षान् प्राप्तवान् यथा 'वैज्ञानिकविचारे अवबोधेन सह पठनम्'। सः काञ्चित् छात्रान् अचिनोत् ये विशेषपक्षेषु काठिन्यम् अनुभवन्ति। स तेषां पाठस्य पठने अर्थावबोधने च सहायतां कर्तुम् पृथक् कक्षाः गृहीतवान्। अयं प्रविधिः किं ज्ञायते ?
(1) संशोधनात्मकशिक्षणम् (Remedial Teaching)
(2) उच्चतरकौशलम् (Higher Order Skills)
(3) चिन्तनकौशलम् (Thinking Skills)
(4) प्रतिपूर्तिशिक्षणम् (Feedback Teaching)

113. निम्नलिखितेषु किं पठनस्य उपकौशलं नास्ति ?
(1) शब्दावल्या: अभिज्ञानं मुख्यशब्दानां च ग्रहणम्
(2) अर्थनिष्कर्षणम् तथा अपरिचितशब्दकोषीयशब्दानां प्रयोग:
(3) विशेषसूचनां प्राप्तुं क्रमवीक्षणम् (Scanning)
(4) प्रत्येकशब्दस्य वर्तनीज्ञानम्

114. बालछात्रस्य सन्दर्भे किं कथनम् सत्यम् अस्ति ?
(1) अतिलघुवयस्का: छात्रा: अमूर्तविचारान् अवबोधयन्ति।
(2) अतिलघुवयस्का: छात्रा: अमूर्तविचारान् अवबोधयितुं कठिनं मन्यन्ते।
(3) अतिलघुवयस्का: छात्रा: आंशिकरूपेण अमूर्तविचारान् अवबोधयन्ति।
(4) अतिलघुवयस्का: छात्रा: अमूर्तविचारै: प्रेर्यन्ते।

115. कश्चिद् भाषा-अध्यापक: छात्रान् एकां प्रश्नावलीं ददाति यथा स तेषां शिक्षणपद्धतिं वरीयतां च भूयस्तरं ज्ञातुं शक्नुयात्। अत्र अध्यापक: निम्नलिखितरूपेण कार्यं करोति -
(1) प्रबन्धकरूपेण
(2) योजनानिर्मातृरूपेण
(3) विशेषज्ञसूचनां प्रदातृरूपेण
(4) निदानकर्तृरूपेण

116. चित्राणां विषये किं कथनम् असत्यम् अस्ति ?
(1) पुस्तकेषु चित्राणि उदाहरणानि च विषय-वस्तु समर्थयन्ति
(2) छात्राणां रुचिं धारयन्ति
(3) एतादृशानि चित्राणि निर्मातुम् अवसरं प्रददति
(4) अपरिचितेषु स्मरणीयेषु च प्रसङ्गेषु भाषां प्रस्तौतुं सहायतां कुर्वन्ति

117. प्रथमकक्षाया: अध्यापक: छात्रान् भित्तौ आरेखितुं, चित्रितुं तथा यथेष्टं लेखितुं कथयति। स अत्र किं प्रोत्साहयति ?
(1) नवोदितसाक्षरताविकासम्
(2) आमोद - प्रमोदम्
(3) लेखनकौशलविकासम्
(4) वर्णमालाया: अक्षराणां लेखनस्य प्रारम्भम्

118. **कथनम् (अ) :** भाषा तर्कपूर्ण सांस्कृतिक-अवबोधं अभिव्यक्तिं च प्रददाति या बालकेषु वर्धिष्यमाणासु योग्यतासु मुख्या क्षमता मन्यते।

कारणम् (आ) : सांस्कृतिक-अवबोधस्य अभिव्यक्तेश्च क्षमता: बालकेषु अभिज्ञानस्य योग्यतां वर्धन्ते तथा अपर संस्कृती: अभिज्ञानश्च जानन्ति।

निम्नलिखितेभ्य: विकल्पेभ्य: **यथोचितानि** उत्तराणि दीयन्ताम्।
(1) **(अ)** तथा **(आ)** सत्ये स्त: तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।
(2) **(अ)** तथा **(आ)** सत्ये स्त: परं **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।
(3) **(अ)** सत्यमस्ति, परं **(आ)** असत्यम् अस्ति।
(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

119. एतद् ज्ञातुं यत् छात्रा: कस्मिञ्चिद् आपणे किमपि क्रेतुं कार्ययोग्यसाधनस्य प्रयोगं कर्तुं समर्था: सन्ति, छात्राणां कृते एतत् समीचीनम् अस्ति ?
(1) आपणस्वामिन: ग्राहकाणां च मध्ये लघु वार्तालापं लिखन्तु।
(2) आत्मन: भोजनवरीयताविषये लिखन्तु
(3) आपणस्वामिन: ग्राहकाणां मध्ये वार्तालापम् आधृत्य एकाम् लघुकथां लिखन्तु
(4) आपणस्वामिन: ग्राहकाणां च मध्ये दृश्याङ्कनम् कुर्यु:

120. भाषाशिक्षणस्य विषये किं कथनं निम्नलिखितेषु सत्यं नास्ति ?
(1) सर्वे छात्रा: सुगमतया भाषां शिक्षितुं समर्था: यदि भाषायै पर्याप्तं समय: दीयते।
(2) भाषाशिक्षणाय समयस्य अपेक्षा वर्तते।
(3) भाषाशिक्षणम् अर्थबोधोऽस्ति।
(4) भाषां शिक्षितुं व्याकरणशिक्षणम् आवश्यकं वर्तते।

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only. →

PART-V
LANGUAGE-II
SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा अष्ट प्रश्नानाम् (121 - 128) यथोचितं विकल्पं चित्वा उत्तराणि देयानि।

कस्मिंश्चिद् देशे कश्चिद् भूपतिः आसीत्। तस्य नाम मायादासः। अतिलुब्धः सः दरिद्रः इव जीवितं नयति स्म।

एकदा कोऽपि मुनिः मायादासस्य प्रासादम् आगच्छत्। नृपतिः तं मुनिं सत्कारेणातोषयत्। नृपतिना सत्कृतः सन्तुष्टः मुनिः अवदत्–'नृपते! स्वस्त्यस्तु ते। अभीष्टं वरं वरय' इति। मुनिनैवम् उक्तः स लोभेन प्रेरितः अवदत् – 'मया स्पृश्यमानाः पदार्थाः सौवर्णाः भवन्तु' इति। 'तथास्तु' इत्युक्त्वा मुनिः अन्तर्हितः अभवत्।

मुनेः वरं लब्ध्वा गृहं प्रविष्टः मायादासः तत्र स्थितानि वस्तूनि अस्पृशत्। तेन स्पृष्टानि वस्तूनि सद्य एव सौवर्णानि जातानि। तद्दृष्ट्वा सः नितरामतुष्यत्। ततः तस्य महती पिपासा जाता। सः जलं पातुम् उद्यतः अभवत्। तेन स्पृष्टं जलमपि सुवर्णपिण्डमभवत्। साधूक्तं न मृषा भवति।

तस्मिन् अवसरे तस्य पुत्री कुसुममञ्जरीमादाय तत्रागता। 'पितः अतीव सुन्दराणीमानि कुसुमानि' इति चावदत् नृपतिः तां मञ्जरीं करेणास्पृशत्। तेन स्पृष्टा मञ्जरी सुवर्णमयी जाता। तद् दृष्ट्वा कुमारी दुःखिता अभवत्। सुतां समाश्वासयितुं प्रवृत्तः सः मायादासः ताम् अङ्के उपवेशयति स्म। हन्त, कुमारी सुवर्णमयी सञ्जाता। मायादासः शोकेनोच्चैः व्यलपत्। 'महर्षे कृपया दत्तं वरं निवर्तयतु। इयं कुमारी मम जीवितम्' इति न्यवेदयत्।

महर्षिः अवदत् – 'मायादास, त्वया सुवर्णं महत्तमं गणितम्। वस्तुतः तत् तुच्छम्। उद्यानात् जलमानय। तेन जलेन सिक्तानि वस्तूनि पूर्वामवस्थां प्राप्स्यन्ति।' इत्युक्त्वा मुनिः तत्रैवान्तर्हितः।

मायादासः उद्यानात् जलमानयत्। सौवर्णानि वस्तूनि तेन जलेन सिक्तानि स्वां स्वां प्रकृतिं प्राप्तानि। तस्य सुता मन्दं हसन्ती पितुः मानसमतोषयत्।

अतिलोभो न कर्त्तव्यः, स तु दुःखस्य कारणम्।

121. मायादासेन स्पृश्यमानाः पदार्थाः मुनिवरेण कीदृशाः अभवन्?

(1) राजताः (2) सौवर्णाः (3) मृन्मयाः (4) लौहमयाः

122. निम्नलिखितेषु 'लुब्ध' शब्दस्य कः पर्यायवाची?

(1) निर्धनः (2) मितव्ययी (3) लोलुपः (4) कृपणः

123. मायादासः कीदृशः भूपतिः आसीत्?

(1) उदारः (2) बलिष्ठः (3) वीरः (4) अतिलुब्धः

124. राज्ञः पुत्री केन कारणेन दुःखिता अभवत्?

(1) कुसुममञ्जरी स्वर्णमयी जाता (2) कुसुमानि सुगन्धितानि नासन्

(3) राज्ञः स्पर्शेन कुसुमानि अदृष्टानि अभवन् (4) कुसुमानि सुन्दराणि नासन्

125. निम्नलिखितेषु कः शब्दः क्त-प्रत्ययान्तः नास्ति ?

(1) स्थितानि (2) स्पृष्टानि (3) सुन्दराणि (4) जातानि

126. 'सन्तुष्टः अभवत्' इत्यस्मिन् अर्थे गद्यांशे कः शब्दः प्रयुक्तः ?

(1) अस्पृशत् (2) अतुष्यत् (3) व्यलपत् (4) न्यवेदयत्

127. मायादासः किमर्थं पिपासां शामयितुं समर्थः नासीत् ?

(1) तडागस्य जलं दूषितम् आसीत्
(2) तेन स्पृष्टं जलम् सुवर्णपिण्डम् अभवत्
(3) नगरे जलस्य अभावः आसीत्
(4) कूपे जलम् अशुष्यत्

128. 'मुनिनैवम्' अत्र कः सन्धिः वर्तते ?

(1) गुणसन्धिः (2) वृद्धिः सन्धिः (3) यण् सन्धिः (4) दीर्घसन्धिः

निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा सप्तप्रश्नानाम् (129 - 135) उत्तराणि यथोचितं विकल्पं चित्वा देयानि।

एकदा मोहनदासः मित्रैः सह एकं नाटकं द्रष्टुमगच्छत्। तस्मिन् राज्ञः हरिश्चन्द्रस्य कर्मनिष्ठा गहनतमा सत्यभक्तिश्च प्रदर्शिते आस्ताम्। असौ निजपत्न्याः अपि श्मशानकरं गृहीत्वा सत्यमपालयत्। नाटकं दृष्ट्वा मोहनदासस्य चेतसि महत् परिवर्तनं सञ्जातम्। असौ चिरम् अरोदीत, मनसि सङ्कल्पञ्च अकरोत् यत् सत्यरक्षायां स हरिश्चन्द्र इव आचरिष्यति।

एकदा गाइल्सनामा विद्यालयनिरीक्षकः विद्यालयमागतः। तत्र एकस्यां कक्षायां बालानां वर्णविन्यासज्ञानं परीक्षितुमारभत। मोहनदासं विहाय सर्वे बालाः शुद्धं वर्णविन्यासम् अकुर्वन्। सः केट्ल (Kettle) इत्यस्य शब्दस्य वर्णविन्यासं कर्तुं नाशक्नोत्।

आत्मनः संदिग्धां प्रतिष्ठां चिन्त्यमानः तस्य शिक्षकः आतङ्कितः अभवत्। सः शिक्षकः निकटस्थश्यामपट्टतः शुद्धां वर्तनीम् अनुकर्तुं सङ्केतेन मोहनदासं प्रैरयत्।

यद्यपि निरीक्षकस्य ध्यानम् अन्यत्र आसीत् तथापि मोहनः सम्मुखमवलोकयन् अपि शिक्षकस्य अनुकरणं नाकरोत्। सहपाठिनाम् उपहासभूमिः भविष्यामि, शिक्षकस्य कोपभाजनताञ्च गमिष्यामि इत्यपि सः नाचिन्तयत्। सः जानाति स्म यद् वञ्चनातः सत्यस्य गोपनं कदापि भवितुं नार्हति।

कक्षाया अनन्तरं मोहनस्य शिक्षकः तस्मै अकुप्यत्, सहपाठिनश्च तस्योपहासम् अकुर्वन्। यदायं गृहं परावर्तत तदात्मानं क्षतम् अवसन्नञ्च अन्वभवत्। परं गभीरे अन्तरात्मनि स्वसङ्कल्पं स्मारं स्मारं नवां द्युतिं नवं सामर्थ्यञ्च अधिगतवान्।

अत एवोक्तम् -

सत्यान्नास्ति परं तपः।।

129. मोहनदासः किं सङ्कल्पम् अकरोत् ?

(1) सः हरिश्चन्द्र इव आचरिष्यति
(2) सः सत्यरक्षायाम् हरिश्चन्द्र इव क्रूरो न भविष्यति
(3) सः यथावसरं सत्यस्य पालनं करिष्यति
(4) सः दुःखितां महिलां जानन् अपि निष्करुणो न भविष्यति

130. गद्यांशे प्रयुक्तस्य 'वञ्चनातः' इत्यस्य शब्दस्य अर्थे किम् शब्दः प्रयोक्तुं शक्यते ?

(1) छलात्
(2) दूषितव्यवहारात्
(3) व्यवहारकौशलात्
(4) हरिश्चन्द्रस्य मिथ्यादूषणात्

131. 'चिन्त्यमानः' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः ?

(1) मतुप् (2) शानच् (3) मानच् (4) शतृ

132. शिक्षक: किमर्थं आतङ्कित: अभवत्?

(1) मोहनदासं विहाय सर्वे बाला: शुद्धं वर्णविन्यासम् अकुर्वन्

(2) मोहनदासस्य प्रतिष्ठा धूमिला भविष्यति इति विचारार्थम्

(3) निरीक्षकमहोदय: क्रुद्धो भविष्यति

(4) मोहनदास: व्यावहारिक: नासीत्

133. विद्यालयनिरीक्षक: बालानां किम् ज्ञानं परीक्षितुम् आरभत्?

(1) बालानां पठनस्य योग्यताम्

(2) वर्णविन्यासज्ञानं परीक्षितुम्

(3) बालानां चरित्रस्य शुद्धताम् परीक्षितुम्

(4) बालानां सत्यनिष्ठां परीक्षितुम्

134. 'अकरोत्' पदम् कस्य लकारस्य विद्यते?

(1) लङ्लकारस्य

(2) लट्लकारस्य

(3) लोट्लकारस्य

(4) लुङ्लकारस्य

135. नाटके किं प्रदर्शितम् आसीत्?

(1) छलप्रपञ्च:

(2) हरिश्चन्द्रस्य क्रूरता

(3) हरिश्चन्द्रस्य सत्यभक्ति:

(4) हरिश्चन्द्रस्य निर्दयता

136. निम्नलिखितेषु किं भाषाशिक्षकस्य प्रमुखं दायित्वम् अस्ति ?

(1) छात्रस्य सम्प्रेषणात्मकआवश्यकतानाम् अभिज्ञानम्

(2) पाठनाय विषय-वस्तो: चयनम्

(3) छात्राणां विभिन्नकक्षासु समूहीकरणम्

(4) छात्राणां निर्देशनम्

137. न्यूनातिन्यून-युगल-अभ्यास: निम्नलिखितं वर्धयितुं प्रभावि-पद्धति: भवितुं शक्यते।

(1) व्याकरणम्

(2) शब्दावलीम्

(3) उच्चारणम्

(4) पठनावबोधम्

138. निम्नलिखितेषु किं भाषाअधिग्रहणस्य व्यवहारवादि-सिद्धान्तेन सम्बन्धितम् नास्ति।

(1) कार्यानुकूलनम् (Operant Conditioning)

(2) रिक्तपात्रम्

(3) प्रयास: त्रुटयश्च

(4) सामाजिक-अन्त:सम्पर्क:

139. आधारभूत-अवस्थायां छात्रा: सर्वाधिका: सहजा: भवन्ति तथा सर्वोत्कृष्टरूपेण शिक्षन्ति -

(1) शिक्षणमाध्यमे

(2) राज्यभाषायाम्

(3) गृहभाषायाम्

(4) आंग्लभाषामाध्यमे

140. **कथनम् (अ) :** भाषा केवलं शब्दस्य शुद्धोच्चारणाद् अधिका अस्ति।

कारणम् (आ) : पठनम् निष्कूटीकरणम् अस्ति।

निम्नविकल्पेभ्य: **उचितं** विकल्पं चित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि –

(1) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।

(2) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, परं **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।

(3) **(अ)** सत्यम् अस्ति, परं **(आ)** असत्यम् अस्ति।

(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

141. कश्चिद् अध्यापक: एकं दृश्य–श्रव्य लघुचित्रं (Video) प्राप्नोति यत् एककस्य शीर्षकस्य अनुकूलं वर्तते। स लघुचित्रम् अधिकृत्य युगलकार्यं प्रायोजयति। अस्य युगलकार्यस्य उद्देश्यं छात्रान् प्रोत्साहयितुं अस्ति –

(1) आत्मन: कार्यस्य मूल्याङ्कनं कर्तुम्
(2) तीव्रगत्या मिलित्वा कार्यं कारयितुम्
(3) अध्यापकात् स्वतन्त्रा भूत्वा कार्यं कर्तुम्
(4) भाषा–बोधं विकासयितुम्

142. छात्रेण स्वकक्षायां पठितां कथां पुन: स्वशब्देषु श्रावणम् निम्नलिखितस्य मूल्याङ्कने सहायतां करोति –

(1) शुद्धताया:
(2) प्रवाहस्य
(3) अर्थावबोधस्य
(4) स्मृते:

143. भाषाअध्यापने निम्नलिखितेषु का अवधारणा असत्यम् अस्ति ?

(1) छात्रा: भाषां वास्तविकपरिस्थितिषु प्रयोगस्य प्रयासेन भाषाया अधिग्रहणं कुर्वन्ति।

(2) छात्राणां प्रथमा भाषा भाषाशिक्षणे महत्त्वपूर्णं योगदानं ददाति

(3) भाषाशिक्षणम् सम्प्रेषणात्मकक्रियासु केन्द्रितम् भवितव्यम्

(4) भाषाशिक्षणे भाषणापेक्षया लेखने महत्त्वं दातव्यम्

144. **कथनम् (अ) :** प्रारम्भिकसाक्षरतायां चित्राङ्कनम् लेखनस्य प्रारम्भ: मन्यते।

कारणम् (आ) : चित्राणि प्रतीकानि सन्ति तथा अर्थं कथयन्ति।

निम्नलिखितेभ्य: विकल्पेभ्य: समुचितानि उत्तराणि देयानि।

(1) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।

(2) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, परं **(अ)**, **(आ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।

(3) **(अ)** सत्यम् अस्ति, परं **(आ)** असत्यम् अस्ति।

(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

145. बालकान् कथाश्रावणस्य विषये निम्नलिखितेषु किम् असत्यम् अस्ति ?

कथाश्रवणं छात्रान् एवं सहायतां कुर्वन्ति –

(1) ते नवीनान् शब्दान् शिक्षन्ति तथा आत्मन: शब्दराशिं विस्तारयन्ति।

(2) वाक्यसंरचनां शिक्षन्ति।

(3) समस्यासमाधानकौशलम् विकासयन्ति।

(4) जीवने आचरणीयानि नवीननैतिकमूल्यानि शिक्षन्ति।

146. छात्रा: प्रत्यक्षीकुर्वन्तु तथा गहनतया निमज्जन्तु

(1) प्रारम्भिक-अवस्थाया: एव द्वयो: मौखिकभाषयो:

(2) प्रारम्भिक-अवस्थाया: एव द्वयो: लिखितभाषयो:

(3) प्रारम्भिक-अवस्थाया: एव बहुमौखिकभाषासु

(4) प्रारम्भिक-अवस्थाया: एव बहुलिखितभाषासु

147. कश्चिद् अध्यापक: भाषाकार्ये छात्राणां मिश्रितयोग्यतासमूहं निर्माति। मिश्रितयोग्यतासमूह: निर्मीयते –

(1) दुर्बलतरान् छात्रान् ज्ञातुम्

(2) छात्रान् प्रभावयितुं स्वविचारान् स्वच्छन्दतया कथयितुं अवसरं लब्धुम्

(3) छात्रान् परस्परं सहायतां कर्तुं प्रोत्साहयितुम्

(4) अध्यापकस्य कार्यभारं आंशिकरूपेण ग्रहीतुं यत: अध्यापक: सर्वेषु ध्यानं दातुं न शक्नोति

148. पञ्चमीकक्षायां कश्चिद् अध्यापक: छात्रान् कथां लेखितुं कार्यं दत्तवान् यावत् छात्रा: कथां लिखन्ति, अध्यापक: तान् छात्रान् सहायतां दातुं कक्षाया: परित: भ्रमति ये अशुद्धी: कुर्वन्ति अथवा नवीनशब्दान् पृच्छन्ति। अत्र अध्यापक: कस्य दायित्वे वर्तते।

(1) प्रबन्धकस्य

(2) योजनानिर्मातु:

(3) सहायकस्य

(4) निदानकर्तु: (Diagnostician)

149. **कथनम् (अ) :** संशोधनात्मकम् अध्यापनं अध्ययन-अध्यापनप्रक्रियाया: अविभाज्यम् अङ्गम् अस्ति।

कारणम् (आ) : संशोधनात्मकम् अध्यापनम् पुन: अध्यापनार्थम् अस्ति। इदम् आवश्यकं नास्ति यत् स: एव विधि: नियोजयितव्य: यस्मिन् भाषाया: अङ्गानि समुपयुक्तविधिना न शिक्षितानि।

निम्नलिखितविकल्पेभ्य: **समुचितं** उत्तरं दीयताम्।

(1) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, तथा **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या अस्ति।

(2) **(अ)** तथा **(आ)** उभे सत्ये स्त:, परं **(आ)**, **(अ)** इत्यस्य समीचीना व्याख्या नास्ति।

(3) **(अ)** सत्यम् अस्ति, परन्तु **(आ)** असत्यम् अस्ति।

(4) **(अ)** असत्यम् अस्ति, परं **(आ)** सत्यम् अस्ति।

150. भाषाशिक्षणाय लघुकथानां संकलनं, अपरे च पाठ्या: पूरकपठनसामग्रीरूपे निर्धारिता: सन्ति। पूरकपठनसामग्र्या: मुख्यप्रयोजनम् किम् अस्ति ?

(1) बहुभाषीयतां प्रोत्साहयितुम्

(2) गहनपठनं प्रोत्साहयितुम्

(3) नैतिकशिक्षणं प्रोत्साहयितुम्

(4) विस्तृत (Extensive) पठनं प्रोत्साहयितुम्

- o 0 o -

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील श्याम (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः OMR उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं OMR उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षापुस्तिकायाम् OMR उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस OMR उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक OMR उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/OMR उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना OMR उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने OMR उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और OMR उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व OMR उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the OMR Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the OMR Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the OMR Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and OMR Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and OMR Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/OMR Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their OMR Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the OMR Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and OMR Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***